ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 6122271, 6123436, 6123680, 6127545, रेलवे - 5222, रेलवे - 5850

छात्रावास - डी ओ टी (020) 6130579, 6126816, 6121669, रेलवे 5896, 5897, 5898

फैक्स : 020-6128677

ई-मेल : mail@iricen.gov.in

टेलीग्राम : रेलपथ

वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 7 | अंक - 26 | अप्रैल-जून 2003

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

(1) रेल सप्ताह समारोह
(2) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 79 वीं बैठक
(3) यांत्रिकीकृत चल इकाई समिति की बैठक
(4) पुल तथा संरचना मानक समिति की 74 वीं बैठक
(5) ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली
(6) अध्ययन दौरा
(7) संस्थान की व्दिभाषी विवरणिका
(8) राजभाषा प्रशस्ति पत्र
(9) सेवा निवृत्त जांच अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
(10) तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम
(11) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
(12) विदाई
(13) स्वागत
(14) आपके पत्र
(15) सृजन

1 रेल सप्ताह समारोह -

संस्थान में दिनांक 16 अप्रैल को रेल सप्ताह समारोह मनाया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार, संस्थान के निदेशक व्दारा भारतीय रेल के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संस्थान के सर्वाधिक वृध्द सेवानिवृत्त रेल सेवक श्री पी. ओ. थॉमस का शाल एवं श्रीफल व्दारा सम्मान किया गया तथा 5000/- रुपये की नकद राशि तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि 82 वर्षीय श्री थॉमस उन्नत रेल पथ प्रशिक्षण शाला, पुणे (वर्तमान भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान) के 8 वें प्राचार्य के रूप में दि. 03-04-1972 से दि. 10-01-1977 तक तथा दि. 26-02-1977 से दि. 30-04-1979 तक संस्थान में कार्यरत थे।

कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा कर्मचारियों को नकद पुरस्कार दिए गए।

संपादकीय

अब तक 'ज्ञानदीप' के पच्चीस अंक प्रकाशित हो चुके हैं । यह छब्बीसवां अंक आपके कर कमलों में सुशोभित है । आपके पत्र हमारा उत्साहवर्ध्दन करते हैं, साथ ही मार्गदर्शन भी देते हैं, इसलिए हमें अपने सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं से अवगत कराते रहिए।

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसके सुरक्षित एवं सुगम कार्य संचालन में भले ही हमारा प्रत्यक्ष योगदान न हो, लेकिन रेल सेवा में नवागंतुक तथा सेवारत इंजीनियरों को सैध्दांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण देते हुए उन्हें कार्यस्थल पर ले जाकर जटिलताओं से परिचित कराने के हमारे महत्वपूर्ण कार्य के दूरगामी परिणाम सामने आते हैं । प्रशिक्षण को अधिक रोचक, आसान तथा सरस बनाने के लिए हम सूचना प्रौद्योगिकी के नवीनतम साधनों का प्रयोग करते रहते हैं, साथ ही उपलब्ध सुविधाओं एवं साधनों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी हम सतत प्रयत्नशील हैं । समस्त क्षेत्रीय रेलों एवं अन्य संगठनों व्दारा अपने इंजीनियरों के प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी है, ताकि उनके ज्ञान की पुनश्चर्या होती रहे और हम अपने यात्रियों को सर्वोत्कृष्ट सेवा दे सकें।

आमागी अंक में पुनः भेंट की आकांक्षा सहित।

संरक्षक
बुध प्रकाश
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं., पुणे

मुख्य संपादक
रमेश पिंजानी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक - रेल पथ-2

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
आर.जे.पाल



(चित्र में बाएं से श्री पी. ओ. थॉमस तथा श्री बुध प्रकाश, निदेशक)

श्री अजीत पंडित, संकाय अध्यक्ष ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विपिन पवार ने किया ।

2 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 79 वीं बैठक -

दिनांक 22-04-2003 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 79 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें दिनांक 31-03-2003 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई । बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुध प्रकाश ने की । इस कागज रहित बैठक की सम्पूर्ण कार्यवाही का संचालन कंप्यूटर के माध्यम से किया गया । उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी ने हिंदी प्रगति की समीक्षा की । बैठक के अवसर पर निदेशक के कर-कमलों व्दारा हिंदी के पाठ्यक्रम कैलेन्डर का विमोचन किया गया तथा अंत में 'मीठी कनेक्ट सर्वर' नामक साफ्टवेयर का प्रदर्शन किया गया।

3 यांत्रिकीकृत चल इकाई समिति की बैठक -

संस्थान में दिनांक 05 मई को ''रेलों पर यांत्रिकीकृत चल इकाई के कार्यान्वयन'' से संबंधित पहलुओं के गहन अध्ययन हेतु पुनर्गठित समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। संस्थान के निदेशक श्री बुध प्रकाश इस समिति के संयोजक हैं तथा श्री आर. एन. वर्मा, मुख्य इंजीनियर (समन्वय), उत्तर मध्य रेलवे, इलाहाबाद, श्री पार्थसारथी, मुख्य इंजीनियर (समन्वय), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर, श्री चंद्र प्रकाश तायल, मुख्य रेल पथ इंजीनियर, पश्चिम रेलवे, चर्चगेट तथा श्री सुरिंदर कुमार, कार्यकारी निदेशक (रेल पथ मशीन), अनुसंधान, अभिकल्प तथा मानक संगठन, लखनऊ इस समिति के सदस्य हैं ।

4 पुल तथा संरचना मानक समिति की 74 वीं बैठक -

दिनांक 09 तथा 10 मई को संस्थान के निदेशक श्री बुध प्रकाश तथा संकाय अध्यक्ष श्री अजीत पंडित ने नई दिल्ली में सम्पन्न 74 वीं पुल एवं संरचना मानक समिति की बैठक में भाग लिया ।

5 ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली -

संस्थान में इंटनरनेट/रेलनेट पर ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति कहीं से भी संस्थान के ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है । इस प्रणाली से ग्रंथालय के सुव्यवस्थित प्रबंधन में सहायता मिली है । संस्थान के तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स) श्री सी. एच. बठीजा ने इस प्रणाली को तैयार किया है । इसे संस्थान की वैब साइट पर देखा जा सकता है ।

6 अध्ययन दौरा -

समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु अधिकारियों को मडगांव में कोंकण रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्ययन दौरे पर ले जाया गया, जहां उन्हें अनुरक्षण की गैंग कार्य संचालन प्रणाली, आर एम यू वाहन एवं ऑफ ट्रैक टैम्पर का कार्य संचालन तथा यांत्रिकीकृत चल इकाई का कार्य संचालन बताया गया एवं लंबी सुरंगों में बिछाए गए गिट्टी रहित रेल पथ एवं पुलों का निरीक्षण कराया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने मध्य रेलवे के मनमाड़ में स्थित इंजीनियरी तथा पुल कारखाने का भी अवलोकन किया।

7 संस्थान की व्दिभाषी विवरणिका -

संस्थान में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं तथा विविध कार्यकलापों/गतिविधियों की जानकारी देने वाली एक विवरणिका का हिंदी तथा अंग्रेजी में प्रकाशन किया गया है। भारतीय रेल के सिविल इंजीनियरों के लिए यह विवरणिका बहुत उपयोगी साबित हुई है ।

8 राजभाषा प्रशस्ति पत्र -

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे की ओर से वर्ष 2002-2003 के दौरान अपने विविध कार्यकलापों में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में सराहनीय कार्य करने के परिणामस्वरूप संस्थान को दिनांक 25-06-2003 को सम्पन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे की बैठक के अवसर पर समिति के अध्यक्ष, श्री यू. बी. एस. बेदी, न्यायिक सदस्य, आयकर अपीलीय अधिकरण, पुणे के कर-कमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । बैठक में समिति के सचिव तथा राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. रमाशंकर व्यास के अलावा भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, पश्चिम क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, मुम्बई के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) श्री शिवानंद धुत्रे भी उपस्थित थे ।

9 सेवानिवृत्त जांच अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सतर्कता निदेशालय, रेलवे बोर्ड की वांछानुसार जांच अधिकारियों के रूप में नामिका पर रखे गए सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारियों के लिए संस्थान में दिनांक 26 तथा 27 जून को दो दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन श्री शिव कुमार, सलाहकार (सतर्कता), रेलवे बोर्ड व्दारा किया गया ।

10 तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम -

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
351	31-03-03	11-04-03	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक-पुल	12
312	21-04-03	04-07-03	समूह 'रव' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक-रेल पथ-1	18
345	21-04-03	25-04-03	लंबी झलाईकृत रेलों तथा कंक्रीट स्लीपर रेल पथ के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक-रेल पथ	14
323	28-04-03	23-05-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल तथा सामान्य)	वरिष्ठ प्राध्यापक-कार्य	18
383	28-04-03	30-04-03	भारतीय रेल सिगनल इंजी-नियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - कंप्यूटर्स	18
342	28-04-03	02-05-03	कांटे एवं पारकों पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - रेल पथ - 1	09
303	19-05-03	30-05-03	वर्ष 2000 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों (समूह 1) का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल/ प्रशिक्षण	29
371	19-05-03	30-05-03	क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों के सिविल इंजीनियरी विभाग के अधिकारी तथा पर्यवेक्षक, जो प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं या जिनकी पदस्थापना होने की संभावना है, के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (रेल पथ मॉड्यूल) पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - रेल पथ - 1	10
304	02-06-03	20-06-03	वर्ष 2001 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों (समूह-2) का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल/ प्रशिक्षण	28
382	09-06-03	11-06-03	भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - कंप्यूटर्स	16
384	09-06-03	11-06-03	भारतीय रेल लेखा सेवा के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - कंप्यूटर्स	10
388	16-06-03	18-06-03	भारतीय रेल सिगनल इंजी-नियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - कंप्यूटर्स	17
305	23-06-03	14-08-03	वर्ष 2001 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों (समूह - 1) का चरण - 2 पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल/ प्रशिक्षण	30
306	23-06-03	14-08-03	वर्ष 2001 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों (समूह - 2) का चरण - 2 पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल/ प्रशिक्षण	28

11 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम -

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
394	07-08-03	08-08-03	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार	मुख्य सामान्य इंजीनियर्स
401	01-09-03	05-09-03	वर्ष 2000 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. इं. से. (परि.)
309	08-09-03	19-09-03	वर्ष 2000 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा (समूह - 3)	भा. रे. इं. से. (परि.)
385	16-09-03	18-09-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. यां. इं. से. (परि.)
332	22-09-03	26-09-03	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	व. प्र. श्रे.
389	22-09-03	24-09-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. भं. से. (परि.)
352	29-09-03	10-10-03	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	संबंधित इंजीनियर्स
386	30-09-03	03-10-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. याता. से. (परि.)
392	30-09-03	01-10-03	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	मु. पु. इंजी.
373	13-10-03	17-10-03	सर्वेक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	सर्वे. से संबंधित इंजी.
314	03-11-03	16-01-04	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख'
393	17-11-03	18-11-03	रेल पथ सेमिनार	व. प्र. श्रे.

12 विदाई


श्री अनिल जैन

श्री अनिल जैन ने दि. 16-03-1992 को मध्य रेलवे, मुम्बई में प्रधान नक्शानवीस के रूप में रेल सेवा में प्रवेश किया था । दि. 12-12-2000 को समूह 'ख' सेवा में पदोन्नत होने पर मध्य रेलवे के केन्द्रीय इंजीनियरी कारखाना, मनमाड़ में सहायक कारखाना प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया तथा दि.06-09-2001 से आपने संस्थान में सहायक इंजीनियर -2 का पदभार ग्रहण किया था । दि. 09-04-2003 को आपने संस्थान से स्थानांतरित होकर मध्य रेलवे के नव गठित पुणे मंडल पर सहायक मंडल इंजीनियर (अनु.) मुख्यालय का पदभार ग्रहण कर लिया है । संस्थान आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।

13 स्वागत


श्री सुरेन्द्र कौरव

• मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) से एम. टेक. की उपाधि प्राप्त श्री सुरेन्द्र कौरव ने 1992 में मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल पर कार्य निरीक्षक के रूप में रेल सेवा में प्रवेश किया । दिसम्बर 2000 में समूह 'ख' सेवा में पदोन्नत होने पर मध्य रेल मुख्यालय, मुम्बई में सहायक इंजीनियर के रूप में पदभार ग्रहण किया तथा दिसम्बर 2001 में पुणे मंडल के सहायक इंजीनियर (अनु.) का कार्यभार संभाला । आपने

दि. 10-04-2003 से संस्थान में सहायक कार्यकारी इंजीनियर - 2 का पदभार ग्रहण कर लिया है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।

● रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, कुरूक्षेत्र से बी. टेक. तथा पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ से एम. ई. (स्ट्रक्चर्स) की उपाधि प्राप्त 1990 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री घनश्याम बंसल ने दक्षिण पूर्व रेलवे के रायपुर में सहायक इंजीनियर के रूप में पदभार ग्रहण किया । आपने दक्षिण पूर्व रेलवे पर सहायक इंजीनियर, वरिष्ठ सहायक इंजीनियर, रायपुर, मंडल इंजीनियर, आद्रा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, आद्रा तथा उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), क्योंझर के रूप में अब तक कार्य किया है । दक्षिण पूर्व रेलवे पर दैतारी - क्योंझर - बांसपानी नई रेल लाइन की निर्माण परियोजना में आपने कार्य किया है एवं इसी परियोजना के जारोली - क्योंझर खण्ड को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।



श्री घनश्याम बन्सल

आपने दि. 25-04-2003 से संस्थान में प्राध्यापक (रेल पथ-3) अवर प्रशासनिक श्रेणी का पदभार ग्रहण कर लिया है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।

14 आपके पत्र

आपके संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र ''ज्ञानदीप'' सधन्यवाद प्राप्त हुआ । आपके इस सूचना पत्र से यह उत्साह बढ़ता है कि तकनीकी विषयों को भी हिंदी में सहजता से प्रस्तुत किया जा सकता है । इसमें आपने प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी है । कर्मचारियों का अपना पत्र होने के कारण इस जानकारी का लाभ सभी उठा सकते हैं । इसका प्रकाशन भी बहुत आकर्षक ढ़ंग से किया गया है । इस सबके पीछे आपके अथक प्रयास जुड़े हुए हैं । मेरी हार्दिक बधाइयां स्वीकार करें ।

- डॉ. दामोदर खड़से,
मुख्य प्रबंधक (राजभाषा)
बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केन्द्रीय कार्यालय,
लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 411 005.

आपके व्दारा प्रेषित ''ज्ञानदीप'' पत्रिका मिली । धन्यवाद । पत्रिका आकार की दृष्टि से छोटी है, लेकिन इसमें काफी सामग्री है, काफी समाचार हैं । साथ में विविधता है । सभी कर्मचारी तकनीकी क्षेत्र से जुड़े रहने के कारण भाषा का उचित वातावरण निर्माण करना कठिन होता है । इसके बावजूद आप लोग अपने कार्य को निष्ठा के साथ कर रहे हैं - देखकर प्रसन्नता हुई । मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में यह पत्रिका और भी अधिक सामग्री या समाचार देगी । आपको अपने इस प्रयास के लिए बधाई ।

- डॉ. टी. आर. भट्ट,
सदस्य - रेलवे हिंदी सलाहकार समिति,
रेल मंत्रालय,
''प्रजनश्री'' कल्याण नगर, 6 क्रॉस,
धारवाड़ - 580 007 (कर्नाटक)

15 सृजन (कविता)

- दृष्टि भ्रम -

मैंने आसमान में देखे
मृग छौनों से
श्वेत मेघ दो
मुझे लगा ज्यों
पुष्पाच्छादित महुए का नत वृक्ष
चल पड़ा आँखें मीचे।
कौतूहल से नीचे देखा
वृक्ष अविचलित
वहीं खड़ा था, साँसें खींचे
हँस कर बोला -
मैं जमीन से जुड़ा हुआ हूँ
कहाँ जाऊँगा?

- नवीन चतुर्वेदी,
डी/21-बी, अपर लाइन,
रेलवे कालोनी, पश्चिम मध्य रेलवे,
जबलपुर (म.प्र.)

रमेश पिंजानी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेल पथ-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स **एम आर एंड कंपनी** 1552, चिमणबाग, सदाशिव पेठ, पुणे 411 030 फोन 433 0449 द्वारा मुद्रित ।